तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 17 मई 2026

11 स्प्रिंगबर्ड स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

12 इंदौर की तर्ज पर सोनीपत को बनाएंगे स्वच्छ शहर

पेशी पर आए कुख्यात बदमाश की गोलियों से भूनकर हत्या

खरखौदा हत्याकांड के बाद कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

नीरज उर्फ कातिया पर हरियाणा सहित दिल्ली में कई मामले दर्ज थे

दिल्ली के एक कारोबारी को अगवा कर पांच लाख की फिरौती मांगी थी

दिल्ली पुलिस की जांच में कातिया के लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने की बात भी सामने आई थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

खरखौदा में शनिवार को हुए नीरज उर्फ कातिया हत्याकांड ने एक बार फिर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था और अदालत में पेशी के दौरान होने वाले हमलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुख्यात बदमाश नीरज उर्फ कातिया पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, अपहरण और फिरौती जैसे करीब 15 संगीन मामले दर्ज थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ झज्जर, सोनीपत, गुरुग्राम, रोहतक, दादरी और दिल्ली तक विभिन्न थानों में केस दर्ज थे। नीरज उर्फ कातिया का नाम उस समय भी चर्चाओं में आया था, जब दिल्ली के आनंद पर्वत क्षेत्र में एक कारोबारी के अपहरण मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि उसने कारोबारी का अपहरण कर परिवार से पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। कारोबारी की कार, नकदी और अन्य सामान लूटने के बाद उसे सड़क किनारे फेंक दिया गया था। बाद में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुतुब मीनार क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया था। उस दौरान उसके लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने की बात भी सामने आई थी।

हमलावरों ने पहले ब्रेजा से टक्कर मारी, फिर गोलियां बरसा दीं

नीरज उर्फ कातिया जो कि दूबलधन गांव का निवासी है, इन दिनों वह गुरुग्राम में रह रहा था। कुछ वर्ष पहले उसकी शादी किढौली गांव में हुई थी। उसकी पत्नी ने 2019 में उस पर दहेज संबंधी मुकदमा दर्ज करवाया था, जिसकी कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। वह दोपहर करीब 12:30 बजे कोर्ट परिसर से बाहर आया। उसी समय उपमंडल कार्यालय के मेन गेट के सामने हमलावर ब्रेजा गाड़ी में आए और नीरज को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नीरज जमीन पर गिर पड़ा और हमलावरों ने नीरज पर 5-6 गोलियां बरसा दीं। गोलियां नीरज के सिर व मुंह पर लगीं, जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नीरज के साथ उसके दो दोस्त भी साथ आए हुए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वारदात से अदालतों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे है।

अब तक हो चुकी कई संगीन वारदातें

- 24 अक्तूबर 2025 को खरखौदा में नितिन सैनी हत्याकांड में पेशी पर जा रहे पिता-पुत्र धर्मबीर और मोहित की एनएच-334बी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी
- 2021 में सोनीपत न्यायालय में पेशी पर आए कुख्यात अजय उर्फ बिट्टू बरोणा को उसकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी ने गोली मार दी थी। इसके बाद उसके पिता कृष्ण की भी हत्या कर दी गई थी।
- 11 मार्च 2016 को गन्नौर न्यायालय में पेशी पर आए बदमाश विकास दूधिया की बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।
- अक्तूबर 2010 में सोनीपत कोर्ट में पेशी के लिए लाए गए ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश फौजी की हत्या कर दी गई थी। वहीं वर्ष 2009 में बुटाना निवासी संजय की भी कोर्ट पेशी के दौरान हत्या हुई थी।
- विशेषज्ञों का मानना है कि गैंगवार और हाई-प्रोफाइल मामलों से जुड़े आरोपितों की पेशी के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा, रूट मॉनिटरिंग और कड़ी निगरानी की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

नाबालिग की संदिग्ध मौत मामले में एफएसएल ने चिता से जुटाए सैंपल

गन्नौर। गांव चटिया औलिया में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में एफएसएल टीम ने श्मशान घाट पहुंचकर चिता की राख और अन्य अवशेषों के सैंपल जुटाए हैं। पुलिस ने इन्हें जांच के लिए लैब भेज दिया है।

■ चिता की राख और अवशेष जांच के लिए लैब भेजे गए

ग्रामीणों के अनुसार लड़की स्कूल से घर लौटने के कुछ समय बाद ही संदिग्ध हालात में मृत मिली थी। नाबालिग के गले पर चोट के निशान दिखाई देने के बाद गांव में हत्या की आशंका जताई गई। शुरुआत में परिवार ने तबीयत खराब होने की बात कही, लेकिन जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किए जाने से ग्रामीणों का शक और बढ़ गया। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी सरपंच जसबीर को दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस के गांव पहुंचने से पहले ही शव का अंतिम संस्कार किया जा चुका था। इसके बाद पुलिस ने श्मशान घाट से चिता की राख और अस्थियां कब्जे में लीं। सरपंच की शिकायत पर गन्नौर थाना पुलिस ने नाबालिग की मां और उसके दूसरे पति के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पहले भी बड़ी बेटी की तालाब में डूबने से हुई थी संदिग्ध हालत में मौत

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक नाबालिग महिला के पहले पति की संतान थी। महिला दूसरी शादी के बाद अपनी तीन बेटियों को साथ लेकर गांव में रह रही थी। पहली शादी से हुई एक बेटी की करीब एक वर्ष पहले तालाब में डूबने से संदिग्ध मौत हो चुकी है। अब दूसरी बेटी की मौत के बाद पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

विरोधाभासी बयानों से शक बढ़ा

एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला बार-बार अलग-अलग बयान दे रही है। कभी मौत का कारण पेट दर्द, कभी काला पीलिया और बाद में आत्महत्या बताया गया। पुलिस एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

स्विमिंग पूल में डूबने से युवक की मौत

■ छलांग लगाते समय सिर फर्श से टकराया, बाहर नहीं निकल पाया

गोहाना। गोहाना के गांव माहरा के पास स्थित सूर्या गार्डन के स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जींद जिले के गांव शामलो खुर्द निवासी 19 वर्षीय पुष्पेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को पुष्पेंद्र अपने चचेरे भाई शुभम के साथ गांव कथूरा में अपनी बुआ के घर आया हुआ था। वह अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ सूर्या गार्डन स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गया था। इसी दौरान पुष्पेंद्र ने पूल में छलांग लगाई, लेकिन नीचे जाते समय उसका सिर फर्श से टकरा गया। इसके बाद वह पानी से बाहर नहीं निकल पाया। उस समय उसका चचेरा भाई कम गहरे हिस्से में नहा रहा था, जबकि अन्य युवक भी उसे डूबते हुए नहीं देख सके। काफी देर तक पानी से बाहर नहीं आने पर साथियों ने उसकी तलाश शुरू की। युवक राहुल ने आरोप लगाया कि मौके पर कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था। बाद में उसे पूल से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

South Point
GROUP OF EDUCATION
(DELHI-NCR) SONEPAT
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
ADMISSIONS OPEN
SOUTH POINT INST. OF TECH. & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECT., MECH. CIVIL)
BBA, BCA
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW
B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. (Medical/Non-Med.) B.Com
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B. Pharm / LEET, DMLT
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
SUNDAY OPEN
www.southpoint.net.in
DILBAG S. KHATRI
Chairman

GATEWAY INTERNATIONAL SCHOOL
CBSE Co-Ed. Residential School
Affiliation No. 530619
Heartiest
CONGRATULATIONS
TO OUR PROUD ACHIEVERS OF THE
CBSE CLASS XII RESULTS!
95.6% SCIENCE STREAM SATVIK SHARMA
DISTRICT RANK 2 | SCHOOL RANK 1
94% COMMERCE STREAM RAKSHIT SAROHA
91.8% HUMANITIES PAYAL JAIN
CBSE CLASS XII SUBJECT TOPPERS
SESSION 2025–26
We are proud to announce our subject toppers in the CBSE Class XII Examination
SCIENCE STREAM
Mathematics Satvik Sharma 99
English Shubham 98
Psychology Lara Ahlawat 97
Chemistry Satvik Sharma 96
Computer Science Chahat 96
Physical Education Satvik Sharma 95
Biology Lara Alawat 94
Physics Satvik Sharma 92
COMMERCE STREAM
Economics Rakshit Saroha 98
Accountancy Rakshit Saroha 97
Business Studies Rakshit & Uttam 95
HUMANITIES
Fine Arts Prince 100
Geography Snigdha 95
Political Science Hardesh 94
Hindi Deevanshi 84
Heartiest congratulations to all the achievers for their outstanding performance. Your dedication and hard work have made the school proud.
A sincere gratitude to our parents and teachers for their guidance and support.
HRM Sankalp
An Initiative by HRM School of Excellence
HRM SANKALP - INTEGRATED SCHOOL PROGRAM
CBSE | JEE(MAINS & ADVANCE) | NEET | FOUNDATION
SCAN TO EXPLORE
SECTOR-11, SONIPAT, HARYANA
enquiry@gateway.edu.in www.gis.gateway.edu.in
ASSOCIATES GATEWAY EDUCATION | rishihood university | HRM GLOBAL SCHOOL

SPRINGBIRD SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi
Class 12th Result CBSE 2025-26
COMMERCE
Jhanvi Bansal 95%
Aayushi 93%
Khushi Pandey 93%
Khushi 90.2%
Lakshay Negi 90%
Ridhi 90%
Aayush Chamoli 88.4%
Sivansh 83.6%
Divyanshi Saini 83.2%
Rishabh Chauhan 82.4%
HUMANITIES
Nisha 96.4%
Chesta 95.2%
Payal 93%
Tanishq 92.4%
Dev Kumar 91%
100% Results
CELEBRATING EXCELLENCE
Our school is looking for experienced, passionate educators and non teaching staff to join us immediately. We invite applications for the following
TGT/PGT - Maths, TGT/PGT - English, PGT - Psychology, English Communication (Classes 4,5,6), Asst. Teacher-Maths (Classes 8 to 12), Adjustment Teacher - Commerce (Classes 9 to 12), Science Lab Assistant, Librarian, Front Desk Clerk (Female - with knowledge of MIS and UDISE), Driver-School Bus, Driver-Personal
Admission Open for Class XI
(Medical, Non-Medical, Commerce, Humanities)
ATLAS ROAD, SONIPAT 9991914765

खबर संक्षेप

आपसी सहयोग बनाए रखने पर दिया जोर

सोनीपत। मलहाना रोड स्थित नारायणी माता मंदिर के सामने पार्क में रिटायर्ड पैरामिलिट्री जवानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ओमप्रकाश ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं धन्यवाद किया गया। इसके बाद वारब से प्राप्त पत्र को पढ़कर सुनाया गया और उसमें उल्लेखित बिंदुओं की जानकारी सदस्यों को दी गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी 22 मई 2026 को होने वाली वारब की बैठक को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सदस्य रामसिंह, सुरेंद्र और कलीराम ने अपने सुझाव एवं विचार रखे। उपस्थित सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने और आपसी सहयोग बनाए रखने पर जोर दिया। अंत में सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

संगोष्ठी में पत्रकारिता की चुनौतियों पर मंथन

सोनीपत। विश्व संवाद केंद्र–सोनीपत के तत्वावधान में देवर्षि नारद की जयंती के उपलक्ष्य में सेक्टर 15 में विचार संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय पत्रकारिता का बदलता स्वरूप – चुनौतियां एवं समाधान रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित पत्रकारों एवं अतिथियों ने नारद को आद्य पत्रकार मानते हुए उनके योगदान को स्मरण किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता रामवीर का आयोजक विश्व संवाद केंद्र–सोनीपत की ओर से अजय द्वारा सम्मान किया गया तथा उन्हें शॉल भेंट कर अभिनंदन किया गया। संबोधन में रामवीर ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, मीडिया के समक्ष खड़ी चुनौतियों, सोशल मीडिया के प्रभाव तथा निष्पक्ष पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

मासूम से दरिंदगी करने वालों का रिमांड लिया

बहादुरगढ़। मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए दोनों बदमाशों को पुलिस ने अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद रिमांड पर लिया। इस दौरान आरोपियों से मासूम से दुष्कर्म तथा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने के मामलों में गहनता से पूछताछ की गई। दरअसल, सेक्टर-6 थाना क्षेत्र में मकान में घुसकर 9 वर्षीय बच्ची के साथ दरिंदगी की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दो आरोपियों के चेहरे पहचाने। इसके बाद अगली रात को केएलजे के पास दोनों बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। इसमें एक बदमाश के पांव में गोली लगी तो दूसरा बाइक से गिरकर घायल हुआ। इन्हें पीजीआई रोहतक रेफर किया गया था। मौके पर इनसे एक पिस्तौल व बाइक बरामद हुई थी।

सोनीपत सहित विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों पर 94% का उठान पूरा, सभी गोदाम फुल

रबी खरीद सीजन संपन्न : जिले में चार एजेंसियों ने खरीदा 4.69 लाख एमटी गेहूं, उठान समाप्ति पर

सीजन के दौरान सरसों की सरकारी खरीद का आंकड़ा जीरो के बराबर रहा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। रोहतक रोड स्थित खाली पड़ी अनाज मंडी, शेड के नीचे रखे गेहूं के कट्टे।

रबी खरीद सीजन संपन्न होने के साथ जिले के सभी अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की सरकारी खरीद प्रक्रिया बंद हो चुकी है। सरकार ने जिले में कुल 4 लाख 69 हजार 528 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। इस बार गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये निर्धारित किया गया था। हालांकि रबी खरीद सीजन के दौरान सरसों की सरकारी खरीद का आंकड़ा जीरो के बराबर रहा। इसका कारण अधिकतर किसानों ने ओपन मार्केट में बेहतर भाव मिलने से सरसों को सरकारी एजेंसियों को नहीं बेचना माना गया है। खरीद के बाद अब उठान प्रक्रिया भी समाप्ति की ओर है। बता दें कि जिले में 1 अप्रैल से गेहूं की खरीद के लिए पोर्टल ओपन किया गया था। जिले में इस बार 1 लाख 50 हजार हैक्टेयर भूमि में किसानों ने गेहूं की फसल उगाई थी। खरीद प्रक्रिया के अंतर्गत इस बार मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाने वाले किसानों का गेहूं ही खरीदा गया है। प्रशासन ने गेहूं की खरीद प्रक्रिया को पूरा करवाने के लिए जिले में 21 खरीद केंद्र स्थापित किए थे। इनमें से अधिकतर खरीद केंद्रों पर पिछले कई दिनों से आवक का अभाव बना था। रबी खरीद सीजन के दौरान चार एजेंसियों ने खरीद प्रक्रिया में भागीदारी निभाई। इनमें हैफेड, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, एचडब्ल्यूसी व एफसीआई एजेंसी शामिल रही। सभी ने मिलकर 4 लाख 69 हजार 528 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की।

जीपीएस तकनीक से रखी उठान पर नजर

पिछले साल की अपेक्षा इस बार भी जिले में गेहूं की आवक अधिक रही। जिले के सभी गोदाम गेहूं से पूरी तरह से भर गए हैं। मजबूरी में एजेंसियों को खुले में भी गेहूं लगाना पड़ा है। सोनीपत अनाज मंडी के शेड के नीचे भी गेहूं का स्टॉक रखा गया है। साथ ही काफी मात्रा में गेहूं ट्रेन के जरिये सोनीपत से दूसरे स्थानों पर भी भेजा गया। उधर प्रशासन ने उठान प्रक्रिया में इस बार आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया। मंडियों से उठान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए जीपीएस तकनीक को अपनाया गया। मंडियों से बाहर जाने वाले ट्रकों पर स्पेशल जीपीएस लगाए गए, जिसके माध्यम से पूरे रूट की मैपिंग की गई, ताकि ट्रक मंडी से निकलकर सीधा गोदाम में पहुंच सके। इसके अलावा खरीद प्रक्रिया के तहत किसानों की बायोमैट्रिक हाजिरी लगवाई गई। मंडी में पहुंचने वाले गेहूं और उठान का पूरा रिकार्ड ऑनलाइन अपलोड किया गया।

सात दिन के अंदर उठान पूरा कर लिया जाएगा

किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए इस बार कारगर कदम उठाए गए। जिले की मंडियों में गेहूं खरीद की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके अलावा उठान प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। अब तक 94 प्रतिशत से ज्यादा गेहूं का उठान हो चुका है। करीब 7 दिन के अंदर शेष गेहूं का उठान पूरा कर लिया जाएगा। **सुरजीत, प्रतिनिधि, एचडब्ल्यूसी, सोनीपत**

गेहूं खरीद में हैफेड रही अव्वल, 1.99 लाख मीट्रिक टन की खरीद

इस वर्ष गेहूं खरीद के मामले में हैफेड एजेंसी अव्वल स्थान पर रही। हैफेड ने 1 लाख 99 हजार 485 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की। इसके अलावा सबसे कम गेहूं एफसीआई की ओर से खरीदा गया। एफसीआई ने मात्र 2985 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की। वहीं एचडब्ल्यूसी ने 1 लाख 88 हजार 874 मीट्रिक टन गेहूं और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 78 हजार 183 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की।

उधर विभिन्न मंडियों से अब तक 4 लाख 42 हजार 288 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य भी पूरा कर लिया गया है। अब मंडियों में केवल 27 हजार 238 मीट्रिक टन गेहूं का उठान शेष बचा है। अधिकतर मंडियां खाली हो चुकी हैं।

सीवर ओवरफ्लो से लोगों का जीना दूभर

सोनीपत। बाबा कॉलोनी में सीवर ओवरफ्लो होने के कारण इकट्ठा हुआ दूषित पानी।

सोनीपत। बाबा कॉलोनी में सीवर ओवरफ्लो की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जगह-जगह सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी की गलियों में जलभराव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सीवर व्यवस्था बदहाल है, लेकिन संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। गंदे पानी और बदबू के कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों को डर है कि मच्छरों और गंदगी के चलते डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक रोग फैल सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। उजाला पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुनील बैरागी ने क्षेत्र का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा कॉलोनी का हाल नर्क जैसा हो गया है और प्रशासन समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है। सरकार और नगर निगम प्रशासन से जल्द सीवर व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस : स्वास्थ्य विभाग ने दी लोगों को जागरूकता रैली निकाल सावधानी बरतने की सलाह

- डेंगू भगाने के लिए हर सप्ताह रविवार को सूखा दिवस मनाने का आह्वान, स्वास्थ्य कर्मी जन-जन तक पहुंचाएंगे संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में डेंगू जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते उप सिविल सर्जन डॉ. योगेश गोयल।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल से डेंगू जागरूकता रैली निकाली गई। इसके तहत डेंगू से बचाव के लिए उपाय व सावधानियां बरतने की अपील की गई। रैली को उप सिविल सर्जन डॉ. योगेश गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि हर सप्ताह रविवार को डेंगू भगाने के लिए सूखा दिवस मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करना, बचाव के उपायों को जन-जन तक पहुंचाना है। बता दें कि जिले में अब तक एक माह में डेंगू के पांच मरीज सामने आ चुके हैं। उप सिविल सर्जन डॉ. योगेश गोयल ने डेंगू के बढ़ते खतरे, इसके लक्षणों, रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू से बचाव केवल दवाओं से नहीं, बल्कि सतर्कता और नियमित सावधानी से ही संभव है। एडीज मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है, इसलिए घरों व आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए।

घर-घर जागरूक करें

उन्होंने सप्ताह में एक दिन ड्राई डे मनाकर कूलर, गमलों, पुराने टायरों व आसपास भरे पानी को नियमित रूप से खाली करने की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले हर मरीज को डेंगू के प्रति जागरूक किया जाए। बुखार के मरीजों की तुरंत स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा अगवानपुर स्थित राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों व शिक्षकों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें।

पृथ्वीराज चौहान को जयंती पर किया याद

गोहाना। शनिवार को गांव गढ़ी सराय नामदार खान की आंबेडकर चौपाल में हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती मनाई गई। समारोह में पृथ्वीराज चौहान को श्रद्धांजलि देकर याद किया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान वीरता, ऐतिहासिक युद्धों, राज्य विस्तार और लोक कथाओं के मिश्रण के कारण भारतीय इतिहास और लोक संस्कृति में आज भी प्रसिद्ध है। वे शब्द भेदी बाण जैसी अद्भुत धनुर्विद्या कला कौशल में निपुण थे। वे 13 वर्ष की आयु में अजमेर की राजा बने थे। तराइन के पहले युद्ध में मोहम्मद गौरी को हराया और उसे कैद कर लिया। समाजसेवी हर भगवान चोपड़ा ने कहा कि अंत में अंधे होकर भी पृथ्वीराज चौहान ने शब्द भेदी बाण से मोहम्मद गौरी की आवाज सुनकर उसे मार गिराया था।

न्यूज डायरी

छात्राओं को ईंधन संरक्षण और सुरक्षा के दिए टिप्स

सोनीपत। सेक्टर-12 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने के साथ उनकी दैनिक यात्रा को सुरक्षित व किफायती बनाना रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने छात्राओं को पेट्रोल-डीजल बचाने के प्रति जागरूक किया। प्राचार्य डॉ. नरेश ने मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश की प्रगति एवं पर्यावरण सुधार के लिए ईंधन संरक्षण के अंतर्गत पेट्रोल-डीजल बचाना बेहद जरूरी है। ऐसे में छात्राओं को निजी वाहनों के स्थान पर बस और ट्रेन का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा कम दूरी के सफर के लिए साइकिल का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे सेहत भी अच्छी बनी रहती है।

हिमांशी शर्मा प्रथम और नैंसी नरवाल द्वितीय

गोहाना। शैक्षणिक खंड कथूरा के अंतर्गत गांव रिंढाना स्थित माता शीतला पब्लिक स्कूल में शनिवार को आयोजित मेधावी सम्मान समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं की परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता स्कूल के एमडी सुरेश नरवाल ने की जबकि संयुक्त संयोजन प्राचार्य जोगेंद्र नरवाल और उप प्राचार्य राजेश राठी का रहा। परीक्षा में हिमांशी शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल को टॉप किया। नैंसी नरवाल 96 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे और अनुज नरवाल 95.6 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। स्कूल के कुल 54 विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं की परीक्षा दी। इनमें 18 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक और 12 विद्यार्थियों ने 80 से 90 प्रतिशत के बीच अंक हासिल किए। परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर 39 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। समारोह में शिक्षक रेनू लठवाल, वंदना खत्री, राजेश कथूरा, अमित सैनी, मंदीप, कुलदीप वशिष्ठ, नवीन कुमार, कोमल, ईशवन्ती व बबीता ने मेधावी विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद दिया।

श्रीजी स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने हाल ही में घोषित हुए कक्षा बारहवीं के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन विद्यार्थियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। जहां मेधावी विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने बच्चों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी का स्वागत किया गया तथा मिठाई बांट कर इस खुशी को साझा किया गया। विद्यालय का नाम रोशन करते हुए यश कुमार ने 95% अंकों से पहला स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के चेयरमैन राकेश ने अपने संबोधन में बताया कि इस कार्यक्रम से पूर्व पिछले सत्र में विभिन क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हर कक्षा के मेधावी बच्चों को भी छात्रवृत्ति प्रदान की गई हैं और कुल मिलाकर अभी तक 20 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां प्रदान की जा चुकी हैं।

अभिव्यक्ति के साथ मनाया साहित्यिक उत्सव

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में आयोजन, प्रतिभागियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए अतिथि साथ में प्रधानाचार्य एवं अन्य स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में साहित्यिक उत्सव "अभिव्यक्ति 7.0" का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन सभी विद्यार्थियों को समर्पित रहा जो साहित्य के प्रति विशेष रुचि रखते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत साहित्य से संबंधित अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि जागृत करना तथा रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दास आरोही उपस्थित रहे। आयोजन में अशोक बत्रा, मनीष खरे, डॉ. राघव शर्मा, डॉ. ज्योतिराज, डॉ. रविंदर कुमारी, डॉ. पारुल अरोड़ा, रश्मि कौशल, अक्षयमणि उपाध्याय एवं उपासना महंता जैसे अनेक साहित्यकारों एवं विद्वतजनों ने सहभागिता की। निर्णायक मंडल द्वारा विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेम कुमार ओझा ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य व्यक्ति के विचारों को समृद्ध करता है तथा व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गोहाना। प्रतियोगिता में विजेता घोषित विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में साक्षी व मुकुंद ने मारीबाजी

गोहाना। महम मार्ग पर शहर में गुढ़ा चुंगी के समीप स्थित जेके आर पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंतरसदनीय अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से कक्षा 12वीं तक चारों सदनों के चयनित प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी राजवीर राठी का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य महेंद्र पाराशर ने की। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में जूपिटर व अर्थ सदन से साक्षी व मुकुंद प्रथम, मार्स सदन से रौनक द्वितीय व यूरेनस सदन से अवनी तृतीय स्थान पर रही। कनिष्ठ वर्ग में जूपिटर सदन व अर्थ सदन से अक्षया व उर्वशी प्रथम, यूरेनस सदन से रिद्धि द्वितीय और मार्स सदन से सोनाक्षी तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक की भूमिका शिक्षक संगीता व अजय ने निभाई। प्राचार्य महेंद्र पाराशर ने विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं देते हुए लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

शनिदेव के प्रकोप से बचने के लिए हनुमान जी की पूजा करना फलदायी: शौनक

शनि अमावस्या पर मंत्रोच्चारण के साथ हवन में दी आहुति

पितरों की शांति के लिए तर्पण एवं दान करने से मिलता है पुण्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। जटवाड़ा में शनि अमावस्या पर हवन करते पंडित अमित शौनक व श्रद्धालु।

शनि अमावस्या पर जटवाड़ा में शनिवार को हवन में आहुति डालकर पूजा-अर्चना की गई। पंडित अमित शौनक ने सुरजीत खत्री व उनके परिवार के साथ हवन में मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डाली। तत्श्चात शनिदेव की आरती कर भंडारा लगाया गया। पंडित अमित शौनक ने बताया कि अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। इस दिन पवित्र नदी या घर में जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद पितरों की शांति के लिए तर्पण एवं दान करने से पुण्य का लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि इस दिन चींटियों को आटा-चीनी मिलाकर डालने, कौवे या काले कुत्ते को भोजन देने, हनुमान जी की आराधना करने से पाप नष्ट हो जाते हैं। पंडित अमित शौनक ने बताया कि शनिदेव के प्रकोप से बचने के लिए हनुमान जी की पूजा करना बहुत फलदायी माना गया है। हनुमान चालीसा का पाठ कर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पण करना चाहिए। शनि जयंती के साथ अमावस्या होने का विशेष महत्व हो जाता है। इस दिन भगवान शनिदेव की पूजा करने से जीवन में शांति का वास होता है। साथ ही शनिदेव का प्रकोप शांत हो जाता है, इसलिए शनिदेव का सरसों के तेल का अभिषेक भी किया जाता है। इस दौरान रणबीर खत्री, सुखबीर, जगबीर, दीपक, विनोद, सुरेंद्र, कुलदीप, जितेंद्र की ओर से भंडारे में आसपास के श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

महिलाओं ने पूजन कर मांगी पति की लंबी आयु

सोनीपत। श्री बगलामुखी विष्णेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखकर वट सावित्री पूजन कर अपने पति की लंबी आयु की कामना की। पंडित रामकृष्ण पाठक ने बताया कि प्राचीन ग्रंथों के अनुसार सावित्री ने अपने पति सत्यवान की लंबी आयु के लिए यह व्रत किया था। उन्होंने यमराज के पास जाकर अपने पति के प्राण वापस लाकर पतिव्रता का धर्म निभाया था। यमराज से वरदान लेकर अपने पति को पुनः जीवित कर मिसाल पेश की थी। उसी दिन से ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष को वट सावित्री व्रत किया जाता है। मान्यता है कि सबसे पहले वट सावित्री व्रत भगवान शंकर के कहने पर सावित्री ने किया था।

शनि अमावस्या पर मीमारपुर घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

राई। शनि अमावस्या के पावन अवसर पर मीमारपुर स्थित यमुना घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह तड़के से ही श्रद्धालु घाट पर पहुंचने शुरू हो गए थे और पूरे दिन यहां धार्मिक माहौल बना रहा। हजारों लोगों ने यमुना नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। घाट पर मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में पहुंचे व धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में स्नान करने के बाद दान-पुण्य किया व भगवान शनिदेव की पूजा कर आशीर्वाद मांगा। कई श्रद्धालुओं ने दीपदान भी किया। मेले में खाने-पीने, प्रसाद, खिलौने और घरेलू सामान की दुकानों पर भी लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली।

35 में से 15 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक लिए

गोहाना। कक्षा 10वीं की परीक्षा में गोहाना-खरखौदा मार्ग पर गांव कटवाल स्थित लिटिल जैम्स का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधक विजेंद्र दूहन और प्राचार्या सुनीता सिंह ने सम्मानित किया। परीक्षा में कुल 35 विद्यार्थियों में 15 ने 90 प्रतिशत से अधिक, 26 ने 85 प्रतिशत से अधिक और 30 ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। पांच विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उतीर्ण हुए। मेधावी विद्यार्थी लक्ष्य भैंसवाल व प्रियांशी रिवाड़ा 94.6 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉपर बने। हर्षित बली 95 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे और अंशु लाठ 94.8 % अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज हुए। परीक्षा में सोनाक्षी कटवाल ने 93.6 %, वंशिका भैंसवाल ने 92.8 %, मिलन कटवाल ने 92.4 प्रतिशत, सृष्टि लाठ, छवि जौली और अजय कटवाल ने 92 प्रतिशत अंक हासिल किए। सरिता कटवाल, चंदा लाठ और मोहित भैंसवाल ने 90.8 प्रतिशत, भारत भैंसवाल ने 90.4 प्रतिशत और पायल फरमाणा ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए।

खबर संक्षेप

विधायक ने छात्रा दीक्षा कुंडू को किया सम्मानित

गोहाना। बरोदा हलका विधायक इन्दुराज नरवाल ने गांव बुटाना निवासी दीक्षा कुंडू पुत्री जयभगवान कुंडू को एचबीएसई 12वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया। दीक्षा कुंडू ने विज्ञान संकाय में 500 में से 491 अंक प्राप्त कर जिला सोनीपत में प्रथम व हरियाणा प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। छात्रा सरपंच मनोज कुंडू व पूर्व सरपंच श्रीभगवान कुंडू की भतीजी हैं।

नेत्रदान से दो लोगों को मिलेगी नई रोशनी

सोनीपत। महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच सोनीपत के तत्वावधान में शांतिनगर निवासी स्वर्गीय भावना सपड़ा का मरणोपरांत नेत्रदान कराया गया। उनका रात्रि में निधन हो गया था। नेत्रदान के लिए उनके पति मनोज कुमार सपड़ा और पुत्र कौशल सपड़ा ने सहमति प्रदान की। संस्था के महासचिव हर भगवान रहेजा और समर्पित कार्यकर्ता ईश्वर दत्त मुंजाल की प्रेरणा से यह पुनीत कार्य संपन्न हुआ।

खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों को नवाजा

गोहाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खंदराई व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महमूदपुर में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 में कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं में पहले तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थी सम्मानित हुए। विद्यार्थियों को कथूरा खंड के बीईओ लवल किशोर, प्राचार्य अजय सिंह मलिक और गांव खन्दराई के सरपंच ठेकेदार जयसिंह ने सम्मानित किया।

सीधी बिजाई धान का बीज किया वितरित

खरखौदा। आरएसवीसी सेंटर मंडोरा गांव में पूसा संस्थान द्वारा तैयार किया गया 1985 सीधी बिजाई धान का बीज 65 एकड़ के लिए किसानों को वितरित किया गया। प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी देते हुए डायरेक्टर सितेन्द्र दहिया ने बताया कि प्राकृतिक खेती आज एक जरूरत भी है और हमारी परंपरा भी है। प्राकृतिक खेती से बीमारियां कम होती हैं और पैसे की भी बचत होती है।

बाबा कलीनाथ ऑक्सीजन बाग में पंचवटी पौधरोपण

सोनीपत। गांव रेवली स्थित बाबा कलीनाथ ऑक्सीजन बाग में शनिवार अमावस्या के पावन अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने अपने निजी सचिव प्रवीन कुमार को भेजकर पंचवटी के पौधे लगवाएं व पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया।

पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधों का विशेष महत्व रहा है।

राशन आपूर्ति में ढिलाई पर शिक्षा निदेशालय सख्त

सामग्री के अभाव में विद्यालय मुखिया एक सप्ताह का राशन बाहर से खरीद सकते है

मिड-डे मील के लिए पर्याप्त राशन सुनिश्चित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च विद्यालयों में मिलने वाले मिड-डे मील की राशन आपूर्ति प्रणाली में ढिलाई बरतने का मामला सामने आया है। इसके चलते विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर सभी राजकीय विद्यालयों में मिड-डे मील के लिए पर्याप्त राशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अगर किसी विद्यालय में राशन का अभाव है, तो विद्यालय मुखिया अपने स्तर पर एक सप्ताह का राशन बाजार से खरीद सकते हैं। यह छूट केवल मई माह के लिए निर्धारित है। निदेशालय ने मिड-डे मील के तहत अप्रैल में डाइट प्लान के तहत 17 व्यंजनों की सूची तैयार विद्यार्थियों को नियमित व्यंजन परोसने के निर्देश दिए थे। इस बीच हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड (एचएआईसीएल) की ओर से मामले में ढिलाई बरती जा रही है। जिस पर निदेशालय ने कड़ा रूख अपनाया है।

सोनीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में मिड-डे-मील का खाना खाते विद्यार्थी।

कई विद्यालयों में कई दिन से नहीं हुई आपूर्ति

बता दें कि राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की पोषण स्थिति को सुधारने के लिए मिड-डे मील योजना को लगातार सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य के साथ विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने 6 अगस्त 2025 से 6 अगस्त 2026 तक के लिए एचएआईसीएल के साथ औपचारिक अनुबंध किया था। इससे पहले यह सामग्री अन्य एजेंसियों से ली जाती थी। विभाग का मानना था कि नई प्रक्रिया से न केवल सामग्री की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि समय पर उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके बावजूद एचएआईसीएल की ओर से राशन आपूर्ति में लापरवाही सामने आई है। कई विद्यालयों में कई दिन से राशन आपूर्ति नहीं हो पाई है। इनमें जिले के भी कई विद्यालय शामिल हैं, जहां राशन आपूर्ति नहीं हुई है और मिड-डे-मील वर्कर्स व शिक्षक सामान की राह देख रहे हैं।

आपूर्ति मिलने पर नहीं करनी होगी राशन की खरीद

ऐसे में मौलिक शिक्षा विभाग निदेशक ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है कि जिन विद्यालयों में राशन आपूर्ति नहीं हो रही है या मिड-डे-मील खाद्य सामग्री का अभाव है, वहां विद्यालय प्रमुख बाजार से एक-एक सप्ताह का राशन खरीद सकते हैं। राशन सामग्री खरीदने की जिम्मेदारी खासकर विद्यालय मुखियाओं को सौंपी गई है। हालांकि निदेशालय ने इन निर्देशों की मई माह में अनुपालना करने की छूट दी है, ताकि प्रत्येक विद्यालय में विद्यार्थियों को मिड-डे-मील मुहैया करवाया जा सके। हरियाणा एग्रो से खाद्य सामग्री की आपूर्ति मिलने पर विद्यालय मुखियाओं को सामान की खरीद बाजार नहीं करनी होगी।

निदेशालय ने हरियाणा एग्रो को भी दी हिदायत

उधर विभाग के निदेशक ने एचएआईसीएल के प्रबंधक निदेशक को भी पत्र जारी कर हिदायत दी है कि कई विद्यालयों में खाद्य राशन सामग्री समय पर नहीं पहुंच रही है। मामले में हस्तक्षेप कर आपूर्ति को तय समय पर उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। बता दें कि शिक्षा विभाग की ओर से जिले के 420 राजकीय प्राथमिक विद्यालय, 78 राजकीय माध्यमिक व 76 राजकीय उच्च विद्यालयों में मिड-डे मील का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में वर्ष 2025 में बाल वाटिका से लेकर कक्षा आठवीं तक के करीब 80 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को मिड-डे मील परोसा जा रहा था।

पोर्टल पर प्रतिदिन करनी होगी रिपोर्ट अपडेट

राजकीय विद्यालयों में मिलने वाले मिड-डे-मील को और बेहतर बनाने के लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने संबंधित निर्देश दिए हैं। कुछ ऐसे विद्यालय हैं, जिनमें हरियाणा एग्रो की ओर से राशन नहीं पहुंच पाया है। ऐसे में यह विद्यालय मुखिया अपने स्तर पर एक सप्ताह का राशन बाजार से खरीदकर मिड-डे-मील प्रक्रिया को जारी रखेंगे। साथ ही एएमएस पोर्टल पर प्रतिदिन रिपोर्ट अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। नियमों की अवहेलना व मिड-डे मील की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

-रचना बाना, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

गांव गढ़ी मीमारपुर में लगे अवैध कूड़े का ढेर

ग्रामीणों ने जताया विरोध, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

गन्नौर। गांव गढ़ी मीमारपुर में कूड़ा एकत्रित कर कंपनी द्वारा लगाया गया कूड़े का ढेर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव गढ़ी मीमारपुर के ग्रामीणों ने गांव के पास बनाए गए कूड़ा एकत्रित कर एक कंपनी द्वारा लगाए गए कूड़े के ढेर का विरोध करते हुए प्रशासन से इसे बंद करवाने की मांग की है। ग्रामीणों कृष्णपाल व अन्य का आरोप है कि कूड़े के ढेर के कारण फैल रहे प्रदूषण और बदबू के कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है तथा आसपास के गांवों के लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पास अवैध रूप से कूड़े का ढेर लगाया गया है। यहां बड़े स्तर पर कूड़ा इकट्ठा किया जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि कूड़ा एकत्रित करने की तुरंत जांच करवाई जाए और इसे गांव से दूर शिफ्ट किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो गांव में जन आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : एसडीओ

इस बारे में प्रदूषण विभाग के एसडीओ अनिल कुमार ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। टीम मौके पर जाकर निरीक्षण करेगी। जांच के दौरान वहां खतरनाक अथवा नियमों के विरुद्ध तरीके से कूड़ा एकत्रित या डंप किया जाता पाया गया तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण संबंधी नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निर्माण कार्य तय समय सीमा में करें पूरे : गहलावत

करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का विधायक ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से विधायक कृष्णा गहलावत ने नई बसौदी तथा गढ़ी बख्तावरपुर कार्यक्रमों में पहुंचकर सड़क निर्माण, चौड़ीकरण और जनसुविधा से जुड़े कार्यों की शुरुआत की। ग्रामीणों ने विकास कार्यों का स्वागत करते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने नई बसौदी गांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बस प्रतीक्षा शेड का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही मुकीमपुर-बसौदी मार्ग पर लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस सड़क निर्माण कार्य पर लगभग 75 लाख रुपये की लागत आएगी। विधायक कृष्णा गहलावत गढ़ी बख्तावरपुर पहुंच में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजना का शुभारंभ किया। यह सड़क गढ़ी बख्तावरपुर से यमुना बांध तक लगभग 3780 मीटर लंबाई में बनाई जाएगी। सड़क को पहले की 12 फुट चौड़ाई से बढ़ाकर 18 फुट किया जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगी। इस परियोजना पर लगभग 2 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत आएगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलदीप चेयरमैन, जे.पी रेवली, संजय चेयरमैन, एसडीओ शिव रत्न, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, जेई, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, एसडीओ दिलबाग मेहरा, लोक निर्माण विभाग, जेई, लोक निर्माण विभाग, बख्तावरपुर के सरपंच आजाद, नांदनौर के सरपंच रणबीर, मेहंदीपुर के सरपंच रमेश, शीलू मेहंदीपुर, अमरजीत मेहंदीपुर, जयतीर्थ गढ़ी बख्तावरपुर, अमित दीपालपुर, नीरज रेवली, धर्मपाल, बलराज, गीता महिला प्रधान, मीना महिला प्रधान, शीला महिला प्रधान, मोहन त्यागी, रामबीर दीपालपुर मोजूद रहे।

विद्यालय में रहा खुशी का माहौल

स्प्रिंगबर्ड स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

एटलस रोड स्थित स्प्रिंगबर्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी का माहौल रहा। कला संकाय की छात्रा निशा ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया, जबकि जाहनवी बंसल ने वाणिज्य संकाय में 95 प्रतिशत अंक लेकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

अन्य मेधावी विद्यार्थियों में चेष्टा ने 95.2 प्रतिशत, पायल ने 93 प्रतिशत, आयुषी और खुशी पांडे ने 92.6 प्रतिशत, तानशिक ने 92.4 प्रतिशत तथा देव कुमार ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा खुशी ने 90.2 प्रतिशत और लक्ष्य नेगी ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। विद्यालय की प्रधानाचार्या उमा ने सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सोनीपत। स्प्रिंगबर्ड स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों के साथ विद्यालय स्टाफ।

राजकीय उच्च विद्यालय लड़सौली का परीक्षा परिणाम शानदार, मुस्कान ने किया टॉप

गन्नौर। राजकीय उच्च विद्यालय लड़सौली में दसवीं कक्षा के वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के इंचार्ज निरंजन सिंह ने बताया कि छात्रा मुस्कान ने 467 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ईशा ने 465 अंक लेकर दूसरा तथा स्वाति ने 441 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर स्कूल स्टाफ और अभिभावकों ने खुशी जताई। वहीं गांव के सरपंच प्रियव्रत मोर, एसएमसी प्रधान अमित सहित विद्यालय स्टाफ सुशीला, राजश्री, सुमन, नरेश, मुकेश, पूनम, मोनिका, विवेक, राजेश, पूनम शर्मा ने मेधावी विद्यार्थियों को फूलमालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। सरपंच प्रियव्रत मोर ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों के उत्साह को देखते हुए मोटिवेशनल रैली भी निकाली गई। विद्यालय प्रभारी ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि स्कूल ने 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल किया है।

12वीं राष्ट्रीय ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जीते दो कांस्य पदक

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की छात्रा संजना और सिमरन ने चमकाया नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में 13 से 15 मई 2026 तक आयोजित 12वीं नेशनल ओपन क्योरुगी एवं पूमसे ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2026 में जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जीवीएम गर्ल कॉलेज की छात्रा संजना (एमए इंग्लिश, फाइनल वर्ष) ने पूमसेल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं सिमरन (बीए द्वितीय वर्ष) ने अंडर-67 किलोग्राम वर्ग में दमदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक जीतकर उपलब्धि हासिल की। छात्राओं की इस सफलता से संस्थान में खुशी का माहौल है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. ओपी परूथी, प्रिंसीपल डा. मंजुला स्पाह, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने दोनों खिलाड़ियों संजना और सिमरन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में विजेता खिलाड़ियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य।

सरस्वती स्कूल की कक्षा 12वीं में 40 विद्यार्थियों में से 17 ने प्राप्त की मेरिट

गोहाना। परीक्षाओं में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

गोहाना। कक्षा 12वीं की परीक्षा में गांव बिचपड़ी स्थित सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 40 विद्यार्थियों में से 17 ने मेरिट हासिल की और पांच छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य आशीष गोयल ने बताया परीक्षा में छात्रा सानिया पुत्री सचिन ने 92.8 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर मुस्कान पुत्री पवन रही जिन्होंने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। शारीरिक शिक्षा विषय में मुस्कान, सिमरन और सानिया ने 100 में से पूरे 100 अंक प्राप्त किए व अन्य विषयों में भी छात्रों ने 99 अंक हासिल किए। कक्षा 10वीं की परीक्षा में खुशी पुत्री सुनील ने 89.2 अंक लेकर प्रथम स्थान व तरुण पुत्र अजीत ने 87.2 लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उप प्राचार्या रितिका गर्ग के अनुसार कक्षा 12वीं में दीक्षा, अंशु, बीना, सिमरन, सचिन, यश, दीप्ति, प्रिंस, गीता, सौरभ, आर्यन, दीपांशी, छवि व कक्षा 10वीं में अदिति, रमन, मानसी, वंशु, लकी, मुकुल ने मेरिट प्राप्त की।

बोर्ड की परीक्षाओं में अच्छे अंक लेने वाले मेधावी अलंकृत

गोहाना। ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपुर कलां में शनिवार को मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र (2025-26) की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। शुभारंभ स्कूल के एमडी पंकज जाले ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। अध्यक्षता प्राचार्या प्रीति शर्मा ने की और संयोजन उप प्राचार्य जतिन आनंद का रहा। समारोह में कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थी अनन्या, ईशु और प्रतिष्ठा व कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त सोनल, हिमांशु और भूमिका सम्मानित हुए। दोनों कक्षाओं के इन विद्यार्थियों को क्रमशः 51 सौ रुपये, 31 सौ रुपये और 21 सौ रुपये नकद राशि प्रदान करके सम्मानित किया गया। परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को 1100 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। विद्यार्थियों की इस सफलता में अध्यापकों के साझे योगदान की भी सराहना की गई।

उपलब्धि समुद्र की लहरों और ठंड के बीच भी नहीं रुके, 33 किलोमीटर लंबी यात्रा की तय

डॉल्फिन के साथ तैरते हुए मिला हौसला

थाना कलां के मुकुल दहिया ने 12 घंटे 35 मिनट में पार किया फॉल्स बे, बर्फीले समुद्र में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

उपमंडल के गांव थाना कलां के मुकुल दहिया ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में दुनिया की सबसे कठिन ओपन-वॉटर स्विमिंग चुनौतियों में शामिल फॉल्स बे क्रॉसिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर नया इतिहास रचा है। मुकुल दहिया ने मिलर्स प्वाइंट से रुई एल्स तक लगभग 33 किलोमीटर लंबी यात्रा को तैरकर 12 घंटे 35 मिनट में पूरा किया है। इस दौरान उन्होंने समुद्र के 12 से 15 डिग्री सेल्सियस बर्फीले पानी, अटलांटिक महासागर की ऊंची लहरों और खतरनाक समुद्री धाराओं का सामना किया। फॉल्स बे को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण ओपन-वॉटर स्विम्स में गिना जाता है। मुकुल दहिया पूर्व सरपंच बलराम दहिया के पुत्र हैं और लंबे समय से ओपन-वॉटर स्विमिंग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह उपलब्धि उनके करियर की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलताओं में से एक मानी जा रही है। यह क्षेत्र अपने अप्रत्याशित मौसम, बर्फीले पानी, शक्तिशाली धाराओं और ग्रेट व्हाइट शार्क की मौजूदगी के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

ख़रखौदा। समुद्री तैराकी पूरी करने के बाद तिरंगा लहराते मुकुल दहिया, समुद्र में तैराकी करते मुकुल दहिया।

12 डिग्री रहता है पानी का तापमान

तैराकी के दौरान मुकुल को समुद्र में कई दुर्लभ समुद्री जीवों का साथ भी मिला। तैराकी शुरू होने के करीब दो घंटे बाद सफेद डॉल्फ़िन का एक झुंड उनकी सपोर्ट बोट के साथ-साथ तैरता दिखाई दिया। लगभग 45 मिनट तक डॉल्फिन मुकुल के आसपास तैरती रहीं, जिससे उन्हें मानसिक ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला। मुकुल ने बताया कि एक पल के लिए वह ठंड और थकान भूल गया। फॉल्स बे में डॉल्फिन के साथ तैरना उसके जीवन का सबसे अद्भुत अनुभव था। इसके बाद केप फर सील्स भी उनके आसपास दिखाई दीं। पूरी टीम ने इसे जीवन में एक बार दिखने वाला अनुभव बताया। इस उपलब्धि में उनके कोच रोहन मोरे का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन में मुकुल ने इस कठिन चुनौती की तैयारी की थी। मुकुल की इस सफलता पर उनके पिता पूर्व सरपंच बलराम दहिया भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि 12 डिग्री तापमान वाले पानी में 12 घंटे से ज्यादा तैरना आसान नहीं होता। उसने हरियाणा की मिट्टी का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी मुकुल की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है। फॉल्स बे की तैराकी को दुनिया की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में गिना जाता है और इसे पूरा करने वाले तैराकों की संख्या बेहद कम है।

खबर संक्षेप

451 ग्राम हेरोइन सहित दो युवक गिरफ्तार

सोनीपत। जिले की क्राइम यूनिट कुंडली ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 451 ग्राम हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्याम नगर, ककरोई चौक निवासी गौरव और अमन के रूप में हुई है। पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि दोनों युवक दिल्ली की तरफ से कार में हेरोइन लेकर सोनीपत आने वाले हैं। सूचना के आधार पर जीटी रोड स्थित बिस्वामिल चौक पर नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में गौरव के पास से 335 ग्राम और अमन के पास से 116 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना राई में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। अदालत में पेश करने के बाद दोनों को छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

मकान का ताला तोड़ लाखों के आभूषण चोरी

गन्नौर। बेगा रोड स्थित हनुमान कॉलोनी में चोर बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और मोबाइल चोरी कर ले गए। गांव खेड़ी तगा निवासी जितेंद्र परिवार सहित हनुमान कॉलोनी में रहता है और सुनार का काम करता है। वह रोजाना दुकान बंद करने के बाद आभूषण घर ले आता था। 14 मई को वह परिवार सहित हरिद्वार गया हुआ था। अगले दिन पड़ोसी ने फोन कर घर और दुकान का ताला टूटने की सूचना दी। वापस पहुंचने पर घर का सामान बिखरा मिला और दुकान में रखा आभूषणों का बैग गायब था। जांच में दो सोने की चेन, आठ अंगूठियां, नाक की बालियां, चांदी के आभूषण, 10 हजार रुपये नकद और मोबाइल चोरी मिला। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

कैंची से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना शहर सोनीपत पुलिस ने दंपती पर कैंची से हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव गढ़ी ब्राह्मण निवासी संजय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कालूपुर निवासी राम कुमार ने शिकायत दी थी कि 14 मई की रात संजय अपने साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और बेटे के बारे में पूछताछ करने लगा। देर रात आरोपी दीवार फांदकर घर में घुस गया और कैंची से राम कुमार पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी भी घायल हो गई। वारदात के बाद आरोपी मोटरसाइकिल पर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और कैंची बरामद की गई है। अदालत ने आरोपी को जेल भेज दिया।

पंजाब में आतंकी धमकी मिलने के बाद जिले के रेलवे स्टेशनों पर हाई अलर्ट

- आरपीएफ व जीआरपी ने मिलकर सोनीपत के सभी रेलवे स्टेशनों की बढ़ाई सुरक्षा, ट्रेनों में भी यात्रियों व सामान की चल रही जांच
- जीआरपी-आरपीएफ मुख्यालय के निर्देश पर बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था, दिल्ली से आई डॉग स्क्वॉड टीम ने चलाया अभियान
- राठधना से लेकर भोड़वाल माजरी स्टेशन तक सुरक्षा कड़ी, आरपीएफ व जीआरपी ने पुलिसकर्मियों की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

पंजाब में कुछ समय से बढ़ती आतंकी गतिविधियों और धमकी भरे पत्र मिलने से बढ़ते तनाव को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) व राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोनीपत के अंतर्गत आने वाले सभी स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। स्टेशनों के साथ दिल्ली-पंजाब रूट पर गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है। रेलवे पुलिस ने स्टेशनों के साथ ट्रेनों में भी सुरक्षा व गश्त को बढ़ाया है। छोटे स्टेशनों पर अलग से जवानों की तैनाती की गई है। साथ ही जीआरपी-आरपीएफ ने दिल्ली से आई डॉग स्क्वॉड टीम के साथ जांच अभियान चलाकर स्टेशन के चप्पे-चप्पे को खंगाला।

धमकी भरे पत्र मिले

बता दें कि 27 अप्रैल की रात शंभू-अंबाला रेल मार्ग पर बम धमाके से रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा था। इसके बावजूद पंजाब के नेताओं व स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे पत्र मिलने के बाद दिल्ली व अंबाला आरपीएफ-जीआरपी मुख्यालय से निर्देश मिलने पर आरपीएफ-जीआरपी ने सुरक्षा को कड़ा कर दिया है। स्टेशन पर आने वाले यात्रियों सहित दिल्ली की ओर नरेला व पानीपत की तरफ भोड़वाल माजरी तक ट्रेनों में हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आरपीएफ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संगम यादव व जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार नेतृत्व में जांच तेज कर ट्रेनों में यात्रियों, सामान की जांच व गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही यात्रियों को सतर्क रहने का परामर्श दिया जा रहा है।

सोनीपत। स्टेशन पर डॉग स्क्वॉड टीम के साथ जांच अभियान चलाते जीआरपी व आरपीएफ कर्मी।

ड्रोन से ट्रैक पर रखी जा रही नजर

सोनीपत दिल्ली से सटा हुआ जिला है, यही उद्देश्य है कि उच्च अधिकारियों ने यहां सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सोनीपत आरपीएफ थाना में 29 व जीआरपी थाना में 32 पुलिसकर्मी तैनात हैं। आरपीएफ व जीआरपी मिलकर हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। रेलवे स्टेशनों पर चौकसी बढ़ाने के लिए आरपीएफ-जीआरपी ने अलग से कर्मियों को तैनात किया है। गोहाना स्टेशन पर 10, गन्नौर स्टेशन पर 12 कर्मियों, राठधना स्टेशन पर 4 कर्मियों की ड्यूटी लगाकर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेशनों के आसपास रेल लाइनों पर ड्रोन के माध्यम से पुलिस मुस्तैदी से जांच कर रही है। ड्रोन से रेल ट्रैक, गुजर रही ट्रेनों, ट्रैक के आसपास मौजूद लोगों पर नजर रखी जा रही है।

डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर की नहीं व्यवस्था

सोनीपत स्टेशन से रोजाना करीब 40 हजार यात्री दिल्ली व अंबाला सहित गोहाना जींद रूट पर आवागमन करते हैं। ऐसे में स्टेशन पर सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) स्थापित नहीं है। भवन निर्माण के चलते स्टेशन के प्रवेश द्वार पर लगे डिटेक्टर को हटा दिया गया था। स्टेशन परिसर में आने-जाने के लिए यात्री पांच मार्गों से आवागमन कर रहे हैं। सोनीपत मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित होने के चलते यहां डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर की आवश्यकता है।

पिता की मौत के 7 साल बाद तक निकलता रहा पेंशन, केस दर्ज

गन्नौर। गांव पट्टी ब्राह्मण निवासी युवक के खिलाफ अपने मृत पिता के नाम पर वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन निकालने के आरोप में थाना गन्नौर में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि पिता की मौत के बाद भी कई वर्षों तक एटीएम के माध्यम से पेंशन राशि निकाली जाती रही। जिला समाज कल्याण अधिकारी की शिकायत के अनुसार बुजुर्ग की मृत्यु 10 जनवरी 2017 को हो चुकी थी, लेकिन फरवरी 2017 से जुलाई 2024 तक उनके खाते से पेंशन निकाली गई। विभागीय जांच में करीब दो लाख तीन हजार 500 रुपये की राशि गलत तरीके से निकाले जाने की बात सामने आई। विभाग द्वारा कई बार नोटिस भेजने के बावजूद आरोपित ने केवल 9787 रुपये जमा करवाए, जबकि एक लाख 93 हजार 713 रुपये की राशि अब भी बकाया है। मामले में विभाग ने संबंधित बैंक से भी रिकवरी को लेकर पत्राचार किया था। वहीं जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में भी प्रकरण उठा था, जहां कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। भू-राजस्व अधिनियम के तहत रिकवरी का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपित के नाम कोई संपत्ति दर्ज नहीं मिली। इसके बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी ने पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। अब थाना गन्नौर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम माइनर में मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, नहीं हुई पहचान

सोनीपत। गांव भदाना के पास गुरुग्राम माइनर महिला का क्षत-विक्षत शव मिला है। सूचना मिलने के बाद सदर थाने से एएसआई नरेश मलिक टीम सहित मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पहचान का प्रयास किया गया, लेकिन पहचान नहीं होने पर जिला नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। जांच अधिकारी ने बताया कि महिला के हाथ की कलाई पर काला धागा बंधा हुआ है। पानी में कई दिन का शव रहने के कारण एक हाथ पूरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका है। शव की अभी पहचान नहीं हो पाई है। महिला के शव पर सूट नहीं था। वहीं गांव बड़वासनी के पास से गुजर रही दिल्ली ब्रांच नहर में स्थानीय लोगों ने एक शव को पानी में बहता देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया।

गन्नौर प्रीमियर लीग 2026 का आगाज 1 जून से, 350 खिलाड़ियों ने ट्रायल में दिखाई प्रतिभा

गन्नौर। क्रिकेट प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने के उद्देश्य से आरपीएस इवनिंग स्पोर्ट्स क्लब की ओर से गन्नौर प्रीमियर लीग (जीपीएल) 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के आयोजक गोविंद चौधरी ने बताया कि टूर्नामेंट का आयोजन 1 जून से 8 जून तक किया जाएगा। लीग में विभिन्न राज्यों के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि 9 और 10 मई को आयोजित ट्रायल में करीब 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। ट्रायल में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ सहित कई राज्यों से खिलाड़ी पहुंचे। खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं ने ट्रायल के बाद करीब 150 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन खिलाड़ियों का 17 मई को ऑक्शन होगा, जिसमें टीम मालिक खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगे। इसके बाद कुल आठ टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।प्रतियोगिता में गन्नौर रॉयल्स, गन्नौर टाइटंस, गन्नौर टाइगर्स, गन्नौर किंग्स, गन्नौर चैंपियंस, गन्नौर पैंथर्स, गन्नौर वॉरियर्स और कुणाल टाइटंस भाग लेंगी। विजेता टीम को एक लाख रुपये तथा उपविजेता टीम को 70 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

सीनियर एडमिनिस्ट्रेशन असिस्टेंट बनीं गरिमा का स्कूल में किया स्वागत

गन्नौर। नव ज्योति शिक्षा सदन भांवर स्कूल में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र कौशिक के नेतृत्व में एमपी माजरा निवासी गरिमा का सीआरई परीक्षा राजकोट (गुजरात) में सीनियर एडमिनिस्ट्रेशन असिस्टेंट पद पर चयन हुआ है। गरिमा ने इससे पहले रेलवे, गृह मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय विशाखापट्टनम जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। गरिमा ने बताया कि उन्होंने अपनी स्नातक की शिक्षा दिल्ली से पूरी की तथा शैक्षणिक क्षेत्र में द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा तमन्ना पुत्री मोनू को भी सम्मानित किया गया। तमन्ना ने 12वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व अपने परिवार का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की ओर से दोनों बेटियों और उनके परिवारजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य राजेन्द्र कौशिक ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर समाज और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

स्वच्छ गन्नौर-स्वस्थ गन्नौर मुहिम के तहत विधायक ने चलाया विशेष सफाई अभियान

गन्नौर। गन्नौर शहर में शनिवार को स्वच्छ गन्नौर-स्वस्थ गन्नौर अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व विधायक देवेंद्र कादियान ने किया। यह अभियान डिवाइन सिटी से गन्नौर अड्डा फ्लाईओवर तक सर्विस लेन पर चलाया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, सफाई कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान विधायक देवेंद्र कादियान ने स्वयं झाड़ू लगाकर सड़क किनारे फैले कूड़े-कचरे को साफ कराया। सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। अभियान के दौरान सर्विस लेन में जमा प्लास्टिक व अन्य गंदगी को हटाया गया और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि सभी लोग अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ रखने का संकल्प लें तो गन्नौर को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जा सकता है। इस मौके पर दिनेश अदलखा, नेत्रपाल, अंकित मल्होत्रा, सदा राम जैन, अजय सरोहा, मुकेश सौदा, जेई जगबीर, आकाश त्यागी व अन्य मौजूद रहे।

सीबीएसई की परीक्षा में छाए दिल्ली विद्यापीठ के विद्यार्थी

सोनीपत। देवड़ रोड स्थित दिल्ली विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने सीबीएसई परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा और विद्यार्थी उत्साह से झूम उठे।

विद्यालय संचालक वीर सिंह सैनी ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों ने मेहनत और लगन के बल पर हर वर्ष की तरह इस बार भी उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में अंशिका त्यागी ने 93 प्रतिशत, अभिषेक पटेल ने 92 प्रतिशत, योगिता और यतिन ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा रुद्र ने 88, लक्की सैनी ने 87, वैभव कुमार ने 83 और इशिका त्यागी ने 81 प्रतिशत अंक हासिल किए। प्रधानाचार्या आराधना ग्रोवर और उपप्रधानाचार्य प्रिय दर्शन ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को सम्मानित कर मिठाई खिलाई।

टैंपो ट्रैवलर की टक्कर से तीन घायल, युवती गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव खेवड़ा स्थित हनुमान मंदिर के पास तेज रफ्तार टैंपो ट्रैवलर ने स्कूटी के पास खड़ी महिला, उसकी ननद और छह माह की मासूम बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें युवती की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

गांव झुंडपुर निवासी पूजा ने बहालगढ़ थाना में शिकायत दी है कि वह 12 मई को अपनी छह माह की बेटी भूमि और 18 वर्षीय ननद मुस्कान के साथ अपने देवर की स्कूटी पर सवार होकर खेवड़ा स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने गई थीं। दर्शन के बाद तीनों मंदिर के बाहर स्कूटी के पास खड़ी थीं।

इसी दौरान झुंडपुर की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही टैंपो ट्रैवलर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गईं और स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पूजा ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कुंडली स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं उनकी ननद मुस्कान की हालत गंभीर बनी हुई है और वह बहालगढ़ रोड स्थित निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। पुलिस ने पूजा के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल, नेता भी सुरक्षित नहीं : कमल दिवान

प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र के मामले में सरकार पर निशान साधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नारनौल में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के निवास स्थान पर बेखौफ हथियारबंद असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए जानलेवा हमले कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि इस कायरतापूर्ण हमले ने प्रदेश की दम तोड़ चुकी कानून-व्यवस्था का जनाजा निकाल दिया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक और चिंताजनक स्थिति है कि जब सरकार में मुख्य विपक्षी दल के प्रदेश अध्यक्ष ही अपने घर के भीतर सुरक्षित नहीं हैं, तो प्रदेश की सवा दो करोड़ आम जनता की सुरक्षा की क्या उम्मीद की जा सकती है? उन्होंने कहा कि यह हमला सिर्फ एक नेता पर नहीं, बल्कि सूबे की कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने की खुली चुनौती है, जिससे साफ है कि पुलिस-प्रशासन का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की नीतियों पर करारा प्रहार करते हुए कमल दिवान ने कहा कि आज हरियाणा में चारों तरफ गुंडागर्दी, फिरौती और सरेआम फायरिंग का खेल चल रहा है।

भाजपा सरकार के राज में अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें अब कानून का कोई डर नहीं रह गया है। प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात बन गए हैं, जहां दिन-दहाड़े गोलियां चलना और नेताओं-व्यापारियों को निशाना बनाना आम बात हो गई है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की याद दिलाते हुए भाजपा को घेरा और कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कानून का राज था।

कांग्रेस सरकार में क्राइम ग्राफ जीरो था

कांग्रेस सरकार ने बदमाशों और अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजकर प्रदेश में क्राइम का ग्राफ जीरो कर दिया था। उस दौर में अपराधी हरियाणा छोड़ने पर मजबूर हो गए थे। लेकिन आज भाजपा की ढुलमुल नीतियों और राजनीतिक संरक्षण के चलते क्राइम का ग्राफ आसमान छू रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अपनी कुंभकर्णी नींद से जागे और इस हमले के पीछे शामिल सभी हथियारबंद गुंडों को तुरंत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई करे जो एक नजीर बने। अगर विपक्ष के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक इस निकम्मी व्यवस्था के खिलाफ जोरदार आंदोलन छेड़ेगी।

इंदौर की तर्ज पर सोनीपत को बनाएंगे सबसे स्वच्छ शहर : जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

स्वच्छता अभियान के तहत 41वें सप्ताह में ककरोई चौक से सेक्टर 23 तक मेयर राजीव जैन की अगुवाई में स्वच्छता मित्रों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ सफाई करवाई गई। उन्होंने जगह जगह दुकानदारों एवं रेहड़ी चालकों से शहर स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील भी की। दुकानदारों द्वारा राजीव जैन को दोबारा नगर निगम मेयर बनने पर फूल मालाओं से स्वागत किया। मेयर ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र का इंदौर की तर्ज पर सबसे स्वच्छ शहर बनाना अगले पांच वर्ष का लक्ष्य होगा।

जल्द ही पार्षदों के दल का इंदौर एवं सबसे स्वच्छ शहर का दौरा भी करवाया जायेगा। राजीव जैन ने कहा कि जब तक स्वच्छता हमारी आत्मा में नहीं बसेगी तब तक स्वच्छता अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि स्वच्छता मिशन को सिरे चढाने के लिए जल्द ही दुकानदारों, रेहड़ी वालों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं स्कूल संचालकों की बैठक भी की जाएगी ताकि एक जबरदस्त जागृति अभियान शुरू हो सके। अभियान में पार्षद सुनीता कुमारी, ब्रह्म प्रकाश राठी, मुकेश अण्डी, सतबीर बाल्मीकि, नीतू बाल्मीकि, नकिन मेहरा, जोगिंद्र, अशोक, सुरेंद्र शर्मा, अनिल ढुल आदि कार्यकर्ता एवं सफाई निरीक्षक सतेंद्र दहिया, योगेश सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सोनीपत। स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करवाते हुए मेयर राजीव जैन।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

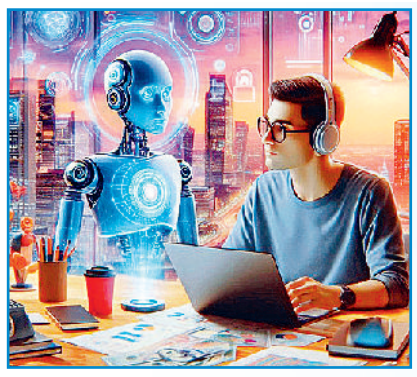

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड }

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

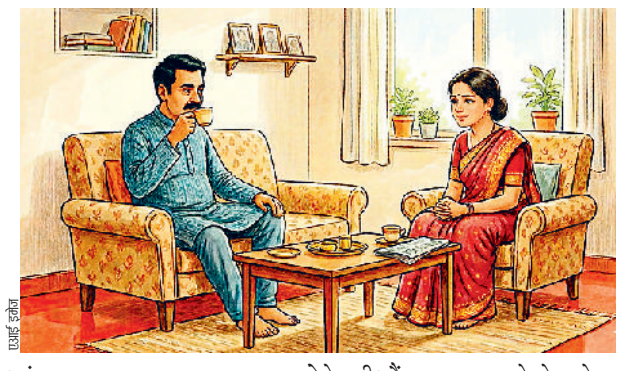

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

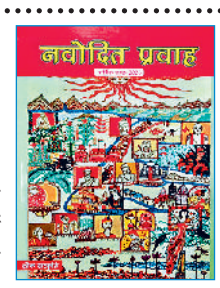

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

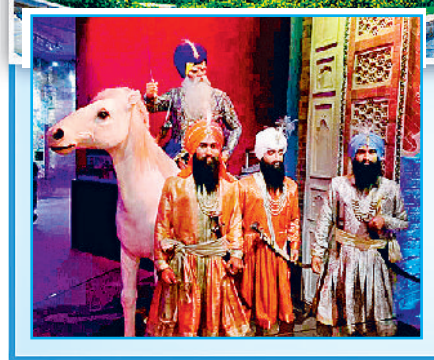

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।